मैथिली (प्रतिष्ठा)
बी॰ए॰ (H) पार्ट-I
पेपर - I

बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक 08-07-20
09-07-21

दिनांक 07-07-2020 क शेष

प्रकरण - विद्यापति

भवसिंहक पश्चात हुनक ज्येष्ठ पुत्र देवसिंह गद्दी पर बैसलाह तथा ओइनीकेँ छोड़ि अपन नव राजधानी देवकुली (देकुली) मे स्थापित कयलनि। देवसिंह महादानी ओ प्रजावत्सल छलाह। विद्यापति देवसिंहक काल (1342 ई॰ सँ 1417 ई॰ धरि लिखने छथि) मे भूपरिक्रमा क रचना कयने छलाह।

विद्यापतिकेँ मैत्री आ आत्मीयता सर्वाधिक रूपेँ शिवसिंहसँ रहलनि। महाराज शिवसिंह प्रजाहितमे अनेक काज कयलनि, अपन मुद्रा चलबैत दिल्ली दरबारकेँ कर (टैक्स) देब बन्द कऽ मिथिलाक महान स्वतंत्रताक घोषणा कयलनि, मुदा ई अवधिमे महाराज शिवसिंहकेँ दुर्दिन देखऽ पड़लनि। एहि अवधिमे विद्यापतिकेँ बिस्फी गाम दानमे भेटल रहनि। एहि समयमे महाकवि विद्यापति पुरुष-परीक्षा, गोरक्ष विजय, कीर्तिपताका क

संगहि विपुल पदावलीक रचना कयलनि।

महाराज शिवसिंहके लुप्त भेलाक पश्चात विद्यापति अपन मैत्री दायित्वके निर्वाह करैत महाकवि काव्य-मर्मज्ञ महारानी लखिमाकेँ संरक्षण दैत सम्भवतः बारह वर्ष धरि नेपालक राजा बनौली दरबारमे रहलाह, जतय ओ शैव सर्वस्वसारक संग अनेक पदावलीक रचना करैत श्रीमद् भागवतक तिरहुता लिपिकरण कयलनि।

शिवसिंहक पश्चात मिथिलामे मुसलमानक उत्पाद आओर अराजकतामे वृद्धि भ' गेल। जौनपुरक सुबेदार बैजनाथ बैजलसँ पुनः मिथिला राज्य प्राप्तिक लेल जे प्रतिनिधि मंडल भेँट कयने छलाह, ताहिमे एकरा प्रमुख सदस्य विद्यापति छलाह।

शेष अगिला अंकमे